[A-67] Seat No: _____ No. of printed page: 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (Final) (External) Examination
Tuesday, 9th April, 2019
2.00 pm - 5.00 pm
HIN-508A : नाटक और रंगमंच

कुल गुण : १००

प्र.१ **किन्हीं दो पर** ससंदर्भ व्याख्या लिखिए । (१०x२=२०)

अ) ''नारी का आकर्षण पुरूष को पुरूष बनाता है तो उसका आकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है ।''

ब) ''उस दिन जो अन्धायुग अवतरित हुआ जग पर बीतता नहीं रह-रह कर दोहराता है ।''

क) ''वह राजा ही कैसा, जो सिंहासन से चिपका हो । वह कैसा मनुष्य, जो लेकर देना नहीं जानता ।''

ड) ''स्त्री एक खाली जमीं नहीं है जिसे आसानी से रौंदकर शांति से जिया जाय ।''

प्र.२ नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध स्पष्ट कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ पारम्परिक नाटक का परिचय देते हुए 'नौटंकी' पर प्रकाश डालिए । (२०)

प्र.३ हिन्दी नाटक की विकास-यात्रा समझाइए । (२०)

अथवा

प्र.३ पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन कीजिए । (२०)

प्र.४ 'एक सत्य हरिश्चंद्र' का परिचय प्रस्तुत कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.४ 'कोमल गांधार' की कथ्यगत विशेषताएँ लिखिए ।

प्र.५ **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए । (१०x२=२०)

(अ) नुक्कड़ नाटक ।

(ब) नाटक का विधागत वैशिष्ट्य ।

(क) भरत ।

(ड) मोहन राकेश ।

--------X--------